मुहृद्रत्यजनः तयुक्तअर्शआयजंतमेतत् ॥ दरिद्रःसन् भिक्षाचरणकर्ता संभ्रमआदंरः ॥४६॥ इतिरामाभि०श्रीरामाय०वा०अ०द्वाचिशःसर्गः॥३२॥ दलेति ॥१॥ आयुधेइतिजात्यभित्रायेण सीतयालंकते पूजार्थचंदनादिभिः ॥२॥विमानशिखराणि सप्तभूमिकगृहायभागाः ॥ त्रासादिसभूमिकः ॥ हम्यं राजगृहं ॥ उ 💥 दासीनः अरक्षितृत्वेननिरुसुकः व्यलोकयत् राममितिशेषः ॥ ३॥ यतोबहुजनाकुलत्वाद्रथ्यागंतुं नसुखेनशक्यंते तस्मात्यासादमारुस्र त्रासादात्तत्रत्रासादेसंस्थाय ॥ ४ ॥ 💥

द्विति ॥१॥ आयुधेदितजात्वित्रायेण सीतयाठंकते पूजार्थचदनादिकिः ॥२॥विमानिशित्याणि समभूमिकरहायभागाः ॥ प्राप्तादिक्षभूमिकः ॥ हम्यँ राजगरहं ॥ उ
हिल्ली ॥१॥ आयुधेदितजात्वित्रायेण सीतयाठंकते पूजार्थचदनादिकिः ॥२॥ वर्तावहुजनाकुठलाद्वस्थागंतुं नसुखेनशक्यते तस्मायासादमाठ्य प्राप्तादात्त्रव्रक्षित्याचरणश्र्योभिवेत्॥ नत्वकश्चित्ववित्रव्याव्याद्वित्रह्ममाननदानसंभ्रमेः ॥१८॥ हिजःसुहृ हृत्यजनोथवातदादिद्विभित्ताचरणश्र्योभिवेत्॥ नत्वकश्चित्ववित्रवित्रयाद्वित्रह्ममाननदानसंभ्रमेः ॥१८॥ ह्रद्धात्तासहयेद्वेद्द्याव्याद्वाद्वात्त्रमायान्त्रह्मात्रायान्त्रह्मात्रायान्त्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रह्मात्रहम्वत्रह्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्रहम्मात्